संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय, भोपाल

(म.प्र. शासन और राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 2(f) एवं 12(b)में मान्यता प्राप्त)

संत हिरदाराम नगर, भोपाल – 462030

दूरभाष – (0755) 2640174, 2640178, 2640631, 2640632, फैक्स – 2640632

Web Site : www.shgc.in E-mail : santhirdaramgirlscollege@yahoo.com

दिनांक : 13.02.2018

प्रेस विज्ञप्ति

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत नागालैण्ड के युवाओं का विदाई समारोह का आयोजन

13 फरवरी, 2018 को परम श्रद्धेय सिद्धभाऊ जी की गरिमामयी पावन उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के अन्तर्राज्यीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत नागालैण्ड के युवाओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित होने वाले विदाई समारोह में नागालैण्ड राज्य के युवा शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर शहीद हेमू कालानी शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी, डॉ. जयश्री मिश्रा, अपर सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, डॉ. प्रमोद के. वर्मा, कुलपति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ. उदय नारायण शुक्ला, कुलसचिव, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, डॉ. काशीनाथ सिंह, दल प्रमुख, नागालैण्ड, डॉ. डैविड टैक्सो, कोहमा सांइस कॉलेज, श्री धीरेन्द्र शुक्ला, संयोजक संचालनालय, डॉ. विजय वर्मा, डॉ. अनंत सक्सेना एवं श्री राहुल सिंह परिहार, रा,से.यो., श्री ऐ.सी. साधवानी, उपाध्यक्ष, शहीद हेमू कालानी ऐजूकेशनल सोसायटी, श्री हीरो ज्ञानचंदानी, निदेशक, श्री विष्णु गेहानी जी, वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं तीनों संस्थाओं के संस्था प्रमुख डॉ. चरनजीत कौर, डॉ. राकेश आनंद, डॉ. हिमांशु शर्मा एवं समस्त प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

अपने स्वागतीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम आप सभी को हमारे बीच पाकर अभिभूत हैं। संस्कृति एक आदान–प्रदान है। हम सब मिलकर वन्देमातरम् कहें। हम साथ मिलकर राष्ट्रीय अखंडता के लिए कार्य करें। मुस्कुराते हुए जीवन के हर क्षेत्र में आप सफलता के उच्चतम शिखर पर पहुँचें।

डॉ. जयश्री मिश्रा ने युवा छात्र/छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत सरकार की एक श्रेष्ठ योजना है जिसमें की भारत के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच विविधता में एकता, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा, सांस्कृतिक सुदृढ़ता, आपसी संबंधों को स्थापित करने के साथ युवाओं में सीखने के वातावरण को प्रोत्साहन देना है। भारत एक सुंदर देश है। मार्च में शीघ्र ही मध्य प्रदेश का बीस सदस्यों का दल नागालैण्ड एवं मणिपुर में भ्रमण करेगा। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. प्रमोद के. वर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि यह आदान–प्रदान कार्यक्रम का विचार बहुत ही नवाचार लिये है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को सार्थक करें। भारत एक महान देश है। प्रत्येक भारतीय नवप्रवर्तक है। हमें संस्कृति एवं संस्कार विरासत में मिले हैं। भारत के राज्यों में रहने वाले लोगों में भले ही विविधताएं हों परन्तु हमारा हृदय एक है – हम भारतीय हैं। नागालैण्ड पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। हर भारतीय नवप्रर्वतक है। नागालैण्ड में 51 प्रजातियों की अपनी संस्कृति है और यह एकता में अखण्डता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।

डॉ. काशीनाथ सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में आना उनके लिये सौभाग्य की बात है। एक भारत श्रेष्ठ भारत युवाओं के लिए मूल्यवान योजना है। मध्य प्रदेश महान व्यक्तियों की धरती है, मैं इसे प्रणाम करता हूँ। भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति को समझे बिना हम सुदृढ़ भारत की कल्पना नहीं कर सकते।

श्रद्धेय सिद्धभाऊजी ने युवा छात्र/छात्राओं को अपने प्रेरक वचनों से आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि इस गरिमामय कार्यक्रम में आप सभी का हार्दिक अभिवादन है। यह नया भारत है जहाँ पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अथक प्रयास कर रहें हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एक राष्ट्र ऋषि हैं। हम सब भारतवासी एक हैं। आज का भारत सशक्त भारत है। हमारे संस्कार व संस्कृति हममें कूट–कूटकर भरे हैं। हम ऋषि मुनियों की संतान हैं। स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। युवा वह है जो वायु वेग से सोचे, वायु वेग से कार्य करे। डार्विन के सिद्धांत एवं वसुधेव कुटुम्बकम की अवधारणा पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने अपनी बात कही। आज का राष्ट्र युवाओं का राष्ट्र है। हमें अपने युवाओं पर विश्वास है कि वे धर्म, जाति एवं भाषा के आधार पर भेद न कर अखण्ड भारत की परिकल्पना को सार्थक करेंगे। नागालैण्ड के युवाओं से हमने यह सीखा है कि विषम परिस्थितियों से हार न मानें और सदैव प्रसन्न रहें।

नागालैण्ड से आये युवाओं ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का स्वर्णिम अनुभव है। मध्य प्रदेश सदैव उनके हृदय में मधुर स्मृतियों के रूप में जीवनपर्यन्त रहेगा। नागालैण्ड बहुत सुंदर जगह है आप जरूर वहाँ आयें। दोनों राज्यों के लोगों में एक बड़ी समानता है कि दोनों राज्यों के लोग हर्षित और विशाल हृदय हैं।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। संस्था द्वारा समस्त अतिथियों एवं युवाओं का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. सुगंधा सिंह एवं श्रीमती प्रमिता दुबे परमार द्वारा किया गया। सभी के लिए यह कार्यक्रम ऊर्जा एवं उत्साह से भरा रहा।

डॉ. चरनजीत कौर
प्राचार्य